उप शिक्षा अधिकारियों का विभागीय आधारभूत प्रशिक्षणः एक प्रभावी कार्यक्रम

राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना का प्रमुख उद्देश्य राज्य के शिक्षा विभाग के अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित करना, तथा विभाग हेतु नीति नियोजन संबंधी कार्य करना है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के प्रशिक्षण के साथ–साथ शैक्षिक नियोजन तथा प्रबंधन के क्षेत्र में भी स्थापना के उपरान्त संस्थान ने महत्व पूर्ण कार्य किए है। उत्तराखंड शासन के शिक्षा अनुभाग–1 (बेसिक) के पत्रांक 492/XXIV(1)/2005 दिनांक 29 सितंबर, 2005 के द्वारा राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान (सीमैट) की स्थापना की गई है। शैक्षिक नीति, नियोजन व प्रबंधन के क्षेत्र में नियोजकों, प्रशासकों, पर्यवेक्षकों एवं सहयोगी अभिकर्मियों का प्रशिक्षण, शोध एवं मूल्यांकन, सुझाव तथा प्रसार कार्यों के माध्यम से क्षमता संवर्धन करने हेतु 'सीमैट' की स्थापना राज्य सरकार का महत्वपूर्ण कदम है।

'सीमैट' द्वारा सलाहकार समूह की बैठक, प्रशिक्षण आवश्यकताओं का विश्लेषण, संबंधी कार्यशालाओं का आयोजन करने के साथ ही प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करने तथा खंड शिक्षा अधिकारियों, उप खंड शिक्षा अधिकारियों, ब्लॉक संसाधन केंद्र समन्वयकों, संकुल संसाधन केंद्र समन्वयकों, प्रधानाचार्य प्रशिक्षण, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के अंतर्गत संस्थाध्यक्षों का प्रशिक्षण, प्रशासनिक अधिकारियों तथा मुख्य सहायकों के प्रशिक्षण, डायट प्राचार्य, उप–प्राचार्य, वरिष्ठ प्रवक्ता तथा सहायक निदेशक, एस0सी0ई0आर0टी0 का क्षमता संवर्द्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा चुका है।

वर्तमान समय में राज्य के सभी माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत संस्थाध्यक्षों को आहरण वितरण संबंधी उत्तरदायित्व प्रदत्त किए गए हैं। अतः इसको दृष्टिगत रखते हुए सीमैट द्वारा राज्य के माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत प्रधानाचार्यों एवं प्रधानाध्यापकों को वित्तीय प्रबंधन पर क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। उक्त प्रशिक्षण में आहरण वितरण अधिकारियों के कार्य एवं उत्तरदायित्व, लेखा परीक्षा, जी0पी0एफ0, पेंशन, विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्तियाँ, वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन, सेवा की शर्तें, अवकाश नियम एवं अन्य वित्तीय प्रबंधन संबंधी महत्वपूर्ण प्रकरणों को समाहित किया गया है ।

उपर्युक्त कार्यों के अतिरिक्त इस संस्थान के द्वारा कुछ महत्वपूर्ण कार्य जैसे शिक्षकों हेतु शैलेश मटियानी राज्य पुरस्कार हेतु मानक तथा नियमावली, माध्यमिक स्तर पर पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन, कक्षा 9 में अध्ययनरत छात्रों के लिए अधिगम स्तर आकलन की प्रक्रिया तथा आकलन टूल्स का भी विकास किया गया है। इसी क्रम में प्रारंभिक स्तरीय शिक्षकों, माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों तथा प्रधानाध्यापकों और प्रधानाचार्यों की गोपनीय आख्या प्रविष्टि हेतु नवीन प्रारूप भी इस संस्थान के द्वारा विकसित किए जा चुके हैं। अद्यतन ये प्रारूप शासन में शासनादेश हेतु प्रेषित किए गए हैं। आशा है कि शीघ्र ही इन पर शासनादेश निर्गत होने के उपरांत शिक्षकों की शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में अधिक जवाबदेही सुनिश्चित होगी तथा शिक्षा की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। राज्य की प्रारंभिक शिक्षा हेतु संचालित केंद्र सहायतित योजना सर्व शिक्षा अभियान तथा माध्यमिक स्तर पर संचालित राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के प्रशिक्षणों, गुणवत्तापरक क्रियाकलापों तथा अन्य क्रियाकलापों के संचालन में इस संस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

उक्त के क्रम में राज्य लोक सेवा आयोग के द्वारा शिक्षा विभाग हेतु 84 उप शिक्षा अधिकारियों का चयन किये जाने के उपरान्त उत्तराखण्ड शासन के द्वारा 48 शिक्षा अधिकारियों की प्रथम् चरण में नियुक्ति की गई तथा वास्तविक कार्यक्षेत्र की जानकारी,शिक्षा अधिकारियों में प्रशासनिक तथा नेतृत्व क्षमता के विकास हेतु सीमैट द्वारा निर्मित कार्ययोजना के अनुसार इनका एक माह का प्रशिक्षण प्रशासनिक अकादमी नैनीताल में आयोजित किये जाने के उपरान्त एक माह का प्रशिक्षण सीमैट उत्तराखण्ड में आयोजित किया गया।

राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा नवीन नियुक्त अधिकारिों के प्रशिक्षण हेतु चार माह का कार्यक्रम न्मिनवत निर्मित किया गया।

Ø- l-	if'k{k.k inku dju okyh lLFkk dk uke	vof/k	e[; mnn';
1	उत्तराखंड प्रशासनिक अकादमी नैनीताल	30 दिन	राज्य के बारे में विस्तृत जानकारी तथा प्रशासनिक समझ का विकास।
2	राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान उत्तराखंड	30 दिन	विभागीय जानकारी, प्रभावी शैक्षिक प्रबंधन एवं नियोजन, विद्यालय निरीक्षण, अनुश्रवण तथा संचालन क्षमता का विकास।
3	क्षेत्रीय प्रशिक्षण	30 दिन	कार्य क्षेत्र में विविध प्रकार की चुनौतियों का समाधान तथा प्रोजेक्ट कार्य संपादन

	(नियुक्ति स्थल पर)		
4	राज्य स्तरीय विभिन्न संस्थाएँ (एस.सी.ई.आर.टी., डायट, प्रारंभिक तथा माध्यमिक शिक्षा निदेशालय एवं मुख्य शिक्षा अधिकारी कार्यालय)	30 दिन	प्रत्यक्ष कार्यालय तथा विभागीय कार्य प्रणाली की समझ का विकास।
5	मूल्यांकन (सीमैट उत्तराखंड)	07 दिन	प्राप्त प्रशिक्षण का मूल्यांकन

राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान में उप शिक्षा अधिकारियों के प्रशिक्षण हेतु व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई। इस हेतु तत्कालीन निदेशक अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण श्रीमती सीमा जौनसारी की अध्यक्षता में दिनांक 17.06.2015 को शिक्षा विभाग के अधिकारियों की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें सीमैट मे होने वाले एक माह के प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षण विन्दु निर्धारित किये गए तथा यह भी निर्णय लिया गया कि उक्त प्रशिक्षण विन्दुओं पर प्रशिक्षण साहित्य तैयार किया जाय।

उप शिक्षा अधिकारियों के प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षण साहित्य का निर्माण–

दिनांक 03.09.2015 से 06.09.2015 तक राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान में उप शिक्षा अधिकारियों के एक माह के प्रशिक्षण हेतु राज्य संदर्भ समूह द्वारा निर्धारित विषयों पर प्रशिक्षण साहित्य के विकास हेतु चार दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में शिक्षा विभाग के वरिष्ठ शिक्षा अधिकारियों,जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों में कार्यरत वरिष्ठ प्रवक्ता व प्रवक्ता, माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य,रा0मा0शि0अ0 के समन्वयक तथा शिक्षकों के द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस कार्यशाला में प्रशिक्षण हेतु निर्धारित विशयों पर समूह कार्य के द्वारा प्रशिक्षण साहित्य का निर्माण किया गया। उक्त तैयार साहित्य को टंकण करने के उपवरान्त पुनः संशोधन तथा संवर्द्धन हेतु एक कार्यशाला दिनांक 18–19 नवॅबर 2015 को आयोजित की गई जिसमें तैयार प्रशिक्षण साहित्य को परिस्कृत कर उसे प्रकाशन हेतु अन्तिम स्वरूप प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण साहित्य का प्रकाशन–

उप शिक्षा अधिकारियों के प्रशिक्षण हेतु तैयार प्रशिक्षण साहित्य को सीमैअ के द्वारा निविदित फर्म के माध्यम से तीन भागों में प्रकाशित करवाया गया। इन प्रकाशित प्रशिक्षण साहित्यों का विवरण निम्नवत है।

1.प्रवेश–भाग 1 उप शिक्षा अधिकारी प्रशिक्षण साहित्य

2.प्रवेश–भाग 2 उप शिक्षा अधिकारी प्रशिक्षण साहित्य

3.प्रक्रिया–भाग 2 उप शिक्षा अधिकारी प्रशिक्षण साहित्य (विभिन्न प्रकार की छात्रबृत्तियॉ विशेषांक)

प्रशिक्षण का शुभारम्भ–

प्रशिक्षण को गरिमामयी बनाने तथा प्रतिभागियों को अभिप्रेरित करने के उद्देश्य के दृष्टिगत प्रशिक्षण का शुभारम्भ उत्तराखण्ड राज्य के माननीय शिक्षा मंत्री Jh e=h i!lkn uSFkkuh के द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के शुभरम्भ के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों की गरिमायी उपस्थिति से प्रशिु अधिकारी अभिप्रेरित हुए।

1.श्री एस.राजू. अपर प्रमुख सचिव उत्त्राखण्ड शासन,देहरादून।

2.डा. एम.सी. जोशी,सचिव माध्यमिक शिक्षा उत्तराखण्ड।

3.डा. सेन्थिल पांडियन सचिव प्रारम्भिक शिक्षा तथा महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड।

4.श्री आर.के. कुॅवर निदेशक माध्यमिक शिक्षा निदेशालय उत्तराखण्ड।

5.श्रीमती सीमा जौनसारी, निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय उत्तराखण्ड।

6.श्रीमती कुसुम पन्त,निदेशक अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण,उत्तराखण्ड।

7.श्री नरेन्द्र कुमार बहुगुणा अपर निदेशक माध्यमिक शिक्षा निदेशालय उत्तराखण्ड।

8.श्री एस0बी0 जोशी अपर निदेशक सीमैट उत्तराखण्ड।

प्रशिक्षण की कार्ययोजना

सीमैट के द्वारा उप शिक्षा अधिकारियों का प्रशिक्षण दिनांक 09 फरवरी 2015 से 13 मार्च 2015 तक आयोजित किया गया । प्रशिक्षण में निम्नवत क्रियाकलाप संचालित किये गए।

क्र.स.	दैनिक क्रियाकलाप	समय
1	प्रातः योग एवं शारीरिक शिक्षा	प्रातः 6 से 7 बजे
2	प्रभावाली प्रार्थना सभा का आयोजन।	प्रातः 9.15 से 9.30
3	विगत दिवस में सम्पन्न क्रियाकलापों का प्रस्तुतीकरण–दैनिक प्रतिवेदन प्रस्तुति	प्रातः 9.30–9.40
4	प्रेरणादायक लघु आडियो–विडियो क्लिप का प्रदर्शन।	प्रातः 9.40–9.50
5	विभागीय उच्चाधिरियों के निदर्शन।	प्रातः 9.50–10.00
6	प्रथम् सत्र	प्रातः 10.00 –11.30
7	द्वितीय सत्र	प्रातः 11.30–1.00 अपराह्न
8	भोजनावकाश	1.00–2.00 अपराह्न
9	तृतीय सत्र	2.00 अपराह्न से 3. 00 अपराह्न
10	चतुर्थ सत्र	3.00 अपराह्न–5.00 अपराह्न
11	प्रतिभागियो द्वारा समूह कार्य का प्रस्तुतीकरण	5.00–6.00बजे

प्रशिक्षण प्रविधि

प्रशिक्षण को प्रभावशाली तथा गुणवत्ता परक बनाने हेतु निम्नलिखित प्रकार की प्रविधियों का उपयोग किया गया।

1.व्याख्यान

2.पावर प्वाइण्ट प्रिजेन्टेशन

3.समूह कार्य तथा उसका प्रस्तुतीकरण

4.विचारोत्तेजना

5.भूमिका निर्वहन

6.सामुहिक तथा एकल अभ्यास कार्य।

7.गतिविधि आधारित क्रियाकलाप।

प्रशिक्षण तथा सत्रों का संचालन

प्रतिभागियों में नेतृत्व क्षमता के विकास ,कुशल प्रबंधन,अनुशासन तथा एक शैक्षिक प्रशासक की भूमिका के विकास हेतु नियमित रूप से प्रतिभागियों में से प्रतिदिन दो दिवस अधिकारियों का चयन किया गया।सम्पूर्ण दिवस की गतिविधियों तथा प्रशिक्षण कक्ष की व्यवस्था,सन्दर्भदाताओं और अतिथि वक्ताओं के परिचय आदि का सम्पूर्ण उत्तरदायित्व इन दिवस अधिकारियों को प्रदान किया गया। इस प्रकार दिवस अधिकारियों की सुविधा हेतु

संस्थान के विभागाध्यक्षों तथा प्रोफेशनल से भी प्रतिदिन मुख्य दिवस अधिकारियों की नियुक्ति की गई। प्रशिक्षु शिक्षा अधिकारियों को इस प्रकार के उत्तरदायित्व प्रदान करने से प्रशिक्षण सुगमता पूर्वक सम्पन्न हुआ तथा प्रतिभागियों में जिम्मेदारी निर्वहन की भावना का विएकाएस हुआ।

izf'k{k.k gsrq ikB~;Øe

eksMî;y&1 foHkkxh; lajpuk rFkk f'k{kk vf/kdkfj;ksa ds dk;Z ,oa nkf;Ro

विभागीय संरचना एवं शिक्षा अधिकारियों के कर्तव्य व दायित्व, महानिदेशालय से विकास खंड स्तर विभागीय संरचना एवं शिक्षा अधिकारियों के कर्तव्य व दायित्व, उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद संरचना एवं कार्य, परीक्षा संचालन एवं अन्य क्रियाकलाप।

ekM;y&2 fon;ky;h f'k{kk dh ikB;p;kZ

पाठ्यचर्या एवं पाठ्यक्रम परिचय, अवधारणा, पाठ्यक्रम निर्माण के सिद्धांत, शैक्षिक प्रक्रिया का विकास, एन.सी.एफ., एन.सी.एफ.टी.ई.,मूल्यांकन की अवधारणा एवं उद्देश्य, सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन।

ekM;y&3 dk;kZy; izca/ku

कार्यालय प्रबंधन, विभिन्न प्रकार के अभिलेख एवं रखरखाव, विभिन्न प्रकार की पत्रावली निर्माण एवं कोडिंग, विभिन्न प्रकार के पत्रालेख तैयार करना, पत्रावली पर टीप लिखना एवं अन्य कार्यालयी कार्य, कार्यालय प्रशासन, संप्रेषण कौशल, समूह निर्माण तथा समय प्रबंधन।

ekM;y&4 fofHkUu izdkj dh lsokfu;ekofy;k¡

प्रारंभिक शिक्षा सेवा नियमावली, प्रारंभिक शिक्षा सेवा नियमावली में विविध संशोधन, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षा सेवा नियमावली, प्रवक्ता सेवा नियमावली।

ekM;y&5 lsok 'krsZ

नियुक्ति एवं नियुक्ति प्रक्रिया, पदोन्नति एवं ज्येष्ठता, सेवा शर्तें तथा अवकाश नियम

ekM;y&6 f'k{kk esa fu;kstu ,oa izca/ku

शैक्षिक नियोजन–स्कूल मैपिंग, शैक्षिक नियोजन–संसाधन विकास, यू–डायस–परिचय एवं प्रारूप, यू–डायस–आँकडों का विश्लेषण, विद्यालय विकास योजना, विद्यालय विकास योजना निर्माण, समूह कार्य एवं प्रस्तुतीकरण

ekM;y&7 fon;ky; ,oa dk;kZy; iz'kklu

गोपनीय आख्या प्रविष्टि, गोपनीय आख्या प्रविष्टि के विविध चरण, अनुशासनात्मक एवं दंडात्मक कार्यवाहियाँ

ekM;y& 8 fon;ky;h f'k{kk vf/kfu;e

विद्यालयी शिक्षा अधिनियम उत्तराखंड, अशासकीय विद्यालयों का प्रबंधनः—मान्यता, प्रशासनिक योजना

ekM;y& 9 fof/kd fØ;kdyki

न्यायालयी वाद तथा वाद योजित होने पर शिक्षा अधिकारियों के उत्तरदायित्व

ekM;y& 10 f'k{kk e dn rFkk jkT; lgk;frr ;ktuk,

मध्याह्न भोजन योजना, मध्याह्न भोजन योजना का प्रभावी संचालन, सर्व शिक्षा अभियानः परिचय, लक्ष्य,उद्देश्य, बाल—गणना, जी.ई.आर / एन.ई.आर. तथा अन्य सूचकांक सर्व शिक्षा अभियान के विभिन्न हस्तक्षेप, सर्व शिक्षा अभियान में हस्तक्षेपः—के.जी.बी.वी, समे.शिक्षा, बालिका शिक्षा अन्य, सर्व शिक्षा अभियान तथा शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 तथा राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभिययान, जी.ई.आर / एन.ई.आर., अन्य सूचकांक तथा रा0मा0शि0अ0 में गुणवत्तापरक शिक्षा उन्नति एवं एल.एल.ए.,राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान में विभिन्न हस्तक्षेप, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान तथा आई.सी.टी. तथा साक्षर भारत कार्यक्रम।

ekM;y& 11 fofHkUu idkj dh Nk=ofRr;k rFkk ikRlkgu ;ktuk,

छात्रवृत्तियाँ, योजनाएँ एवं मानक, छात्रवृत्तियों हेतु विभिन्न शिक्षा अधिकारियों के कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व, विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्तियों के आवेदन हेतु आवेदन पत्र का प्रस्तावित प्रारूप।

ekM;y& 12 fon;ky; ,o dk;ky; fujh{k.k]vuJo.k ,o i;o{k.k

विद्यालयों एवं कार्यालयों का प्रशासनिक प्रबंधकीय तथा अकादमिक निरीक्षण, विद्यालयों में नामिका निरीक्षण,कार्यालयों का औचक निरीक्षण।

ekM;y& 13 f'k{kk e lgHkkfxrk

एन.आई.ओ.एस.,परीक्षा प्रणाली,शिक्षा में ग्राम शिक्षा समितियों का योगदान तथा विद्यालयों में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य योजना तथा अन्य सहभागिताएँ।

ekM;y& 14 'kf{kd urRo {kerk dk fodkl

शैक्षिक नेतृत्व—स्कूल विजनिंग, प्रभावी विद्यालय, शैक्षिक नेतृत्व की आवश्यकता, मूलभूत सिद्धांत, अवधारणा।

lUnHkZnkrkvk rFkk vfrfFk oDrkvk dk p;u&

इस प्रशिक्षण को संचालित करने हेतु कुशल तथा विद्वान संदर्भदाताओं का चयन किया गया। नियोजन एवं प्रबंधन विभाग सीमैट के द्वारा सन्दर्भदाताओं के चयन हेतु यह प्रयास किया गया कि उक्त प्रकरणो पर प्रशिक्षण प्रदान करने व व्याख्यान हेतु उन व्यक्तियों को आमंत्रित किया जाय जो स्वयं ही वर्तमान में इस कार्य से संबंधित हो और इस प्रकार की व्यवस्था को संचालित कर रहे हों

कुछ प्रमुख संदर्भदाताओं का विवरण निम्नवत है।

क.स.	प्रशिक्षण विषय	संदर्भदाता
1	शैक्षिक नियोजन एवं प्रबंधन तथा यू–डायस	प्रो0अरूण सी.मेहता एवं प्रो ए.एन. रेड्डी राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय
2	विभागीय संरचना तथा शिक्षा अधिकारियों के कार्य दायित्व	श्री विरेन्द्र सिंहरावत

		अपर निदेशक महा निदेशालय
3	विद्यालयी शिक्षा की पाठ्याचर्या तथा शैक्षिक विकास	श्री बी.पी. भरद्वाज एवं श्री अनूप राजपूत राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के प्रोफेसर
4	कार्यालय प्रबंधन	श्री चेतन प्रसाद नौटियाल जिला शिक्षा अधिकारी मा0 उत्तरकाशी
5	विद्यालयी शिक्षा विभाग सं संबंधित सेवा नियमावलियॉ	श्री अनिल कुमार नेगी,पूर्व निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा
6	सेवा की शर्ते	श्री आर.सी. लोहनी,अपर सचिव कार्मिक,उत्त्राखण्ड शासन देहरादून।
7	विद्यालयी शिक्षा अधिनियम	श्री भूपेन्द्र सिंह नेगी,संयुक्त निदेशक मध्यमिक शिक्षा निदेशालय
8	न्यायालयी वाद	डा. एम.सी. जोशी सचिव माध्यमिक शिक्षा,उत्तराखण्ड शासन एवं डा. आनन्द भरद्वाज,उप निदेशक माध्यमिक शिक्षा निदेशालय
9	शिक्षा में केन्द्र सहायतित योजनाए (आर.एम.एस.ए.,एस.एस.ए. तथा एम.डी.एम.)	राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान राज्य परियोजना कार्यालय के संयुक्त निदेशक,सहायक निदेशक सर्व शिक्षा अभियान राज्य परियोजना कार्यालय में कार्यरत विशेषज्ञ एवं समन्वयक तथा संयुक्त निदेशक मध्याह्न भोजन योजना
10	विभिन्न प्रकार की छात्रबृत्तिॉ तथा प्रोत्साहन योजनाए	श्री राजेन्द्र प्रसाद डंडरियाल,संयुक्त निदेशक राज्य परियोजना कार्यालय राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान

11	विद्यालय तथा कार्यालय निरीक्षण,अनुश्रवण तथा पर्यवेक्षण	श्रीमती सीमा जौनसारी,निदेशक, श्रीमती आशा पैन्यूली संयुक्त निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय उत्तराखण्ड,
12	शिक्षा में सहभागिता–एन.आई.ओ.एस.	श्री प्रदीप सिंह रावत,क्षेत्रीय निदेशक एन. आई.ओ.एस.
13	शैक्षिक नेतृत्व	डा0 राजेन्द्र कुमार त्रिवेदी,ग्राफिक एरा विश्व विद्यालय
14	शैक्षिक सरोकार	प्रतिनिधि अजीम प्रेम जी फाउन्डेशन
15	समूह कार्य तथा प्रस्तुतीकरण	विभागाध्यक्ष,प्रोफेशनल तथा जूनियर प्रोफेशनल सीमैट

उक्त संदर्भदाताओं के अतिरिक्त समय–समय पर प्रशिक्षण की गुणवत्ता के संवर्द्धन तथा प्रतिभागियों को प्रेरित करने के उद्देश्य के दृष्टिगत निम्नलिखित अतिथि वक्ताओं को आमंत्रित किया गया।

क्र.स.	अतिथि वक्ता	विषय
1	श्री सुरेन्द्र सिंह रावत, आई.ए.एस. , माननीय सूचना आयुक्त उत्तराखण्ड	सूचना का अधिकार अधिनियम
2	श्री आर.सी.0 जोशी	कुलाधिपति,ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय
3	श्री एम.सी. पन्त	पूर्व निदेशक, विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
4	श्रीमती पुष्पा मानस	पूर्व निदेशक, विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
5	डा0 ए.के. शुक्ला	चिकित्सक,पी.एच.सी. रायपुर देहरादून।
6	श्री जसपाल सिंह	कार्यक्रम समन्वयक,एन.आर.एच.एम.
7	श्री अनिल डिमरी	क्षेत्रीय निदेशक,इग्नू देहरादून।

प्रशिक्षण का समापन कार्यक्रम

दिनांक 13 मार्च 2015 को अपराह्न में प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया। समापन के अवसर पर प्रशिक्षु शिक्षा अधिकारियों को क्षेत्रीय प्रशिक्षण हेतु महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए तथा क्षेत्रीय प्रशिक्षण के दौरान उनके द्वारा किए जाने वाले प्रोजेक्ट का आबंटन तथा प्रोजेक्ट सम्पन्न करने की प्रविधि से अवगत कराया गया।

प्रोजेक्ट कार्य निम्नलिखित विषयों से संबंधित प्रदत्त है।

- बालिका शिक्षा
- छात्रों का विद्यालयों में नामांकन ठहराव
- मध्याह्न भोजन योजना एवं योजना का छात्र नामांकन ठहराव पर प्रभाव का अध्ययन
- शिक्षा का अधिकार अधिनियम तथा इसे लागू करने में आने वाली समस्याओं का अध्ययन
- कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालयों की स्थिति तथा अध्ययनरत छात्राओं के संप्राप्ति स्तर का आकलन
- सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण
- पाठ्य पुस्तकों का विश्लेषण

प्रशिक्षण का मूल्यांकन

क्षोत्रीय प्रशिक्षण के उपरान्त प्रशिक्षण के मूल्यांकन की योजना है। इस हेतु क्षेत्रीय प्रशिक्षण के उपरांत सात दिन निर्धारित किए गए हैं। मूल्यांकन के अंतर्गत प्रशिक्षण के दौरान सहभागिता, अनुशासन, दैनिक कार्य, लिखित परीक्षा तथा प्रोजेक्ट कार्य का मूल्यांकन किया जाएगा। सभी प्रतिभागी प्रोजेक्ट की प्रति सीमैट में जमा करेंगे। प्रोजेक्ट कार्य का मूल्यांकन विशेषज्ञो के द्वारा किया जाएगा। सभी प्रशिक्षु क्षेत्रीय प्रशिक्षण की एक संक्षिप्त रिपोर्ट भी जमा करेंगे, प्रोजेक्ट कार्य संपादन प्राप्तियों का एक पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण तैयार करेंगे, जिसका मूल्यांकन की अवधि में प्रस्तुतीकरण करना होगा।